जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

// अग्रणी महाविद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक के कार्यविवरण //

आज दिनांक 05 मार्च 2012 को जीवाजी विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के अग्रणी महाविद्यालयों (ग्वालियर, मुरैना, भिण्ड, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, श्योपुर, दतिया) के प्राचार्यों की बैठक आयोजित हुई, जिसमें प्रमुख रूप से एजेण्डे के अनुसार विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी:-

1. ऑनलाइन प्रवेश दिये जाने के सम्बन्ध में सभी प्राचार्यों का मत था कि बी.एड. प्रवेश प्रक्रिया की तरह ही शासन स्तर पर एडमीशन काउंसिलिंग की जाये, जिसमें प्रमाण-पत्रों का वेरीफिकेशन महाविद्यालय करे। इस सम्बन्ध में सभी प्राचार्यगण एकमत थे कि विश्वविद्यालय ने "प्रवेश प्रक्रिया" को ऑनलाइन कर दिया है और यही व्यवस्था जारी रखी जाये।

   एडमीशन फीस के सम्बन्ध में एक सुझाव यह भी आया कि सभी महाविद्यालयों की एडमीशन फीस एकसमान की जाये। इस सम्बन्ध में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस प्रस्ताव मध्य शासन, उच्च शिक्षा विभाग को भेजा जाये।

2. अध्यापन कार्य समय पर संपन्न कराने के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा हुई। अग्रणी महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने कहा कि लगातार परीक्षाओं के चलते Parallel Teaching प्रभावित हो रही है, इसलिये परीक्षाएँ प्रातः एवं सायंकालीन शिफ्ट में कराई जायें।

   परीक्षाओं के सफल संचालन के लिये विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय निजी महाविद्यालयों के भवन अधिगृहित कर परीक्षाएँ आयोजित की जाती है। इस सम्बन्ध में प्रमुख रूप से भिण्ड, मुरैना एवं दतिया जिले के प्राचार्यों ने कहा कि हमारे यहां स्टाफ एवं फर्नीचर आदि की व्यवस्था नहीं है, इस कारण हम निजी (प्राइवेट) महाविद्यालयों की परीक्षाएँ कराने में असमर्थ हैं। साथ ही जो पाठ्यक्रम हमारे महाविद्यालय में संचालित नहीं होते हैं, ऐसे पाठ्यक्रमों की परीक्षाएँ कराने से महाविद्यालय का अध्यापन कार्य प्रभावित होता है। अतः उनकी परीक्षाएँ शासकीय महाविद्यालय में न कराई जायें, उनकी अन्यत्र व्यवस्था की जाये। निजी महाविद्यालयों के भवन अधिगृहित कर चिन्हित महाविद्यालयों से वरिष्ठ केन्द्राध्यक्ष नियुक्त कर परीक्षा संपन्न कराई जाये।

3. सम-सेमेस्टर की परीक्षाओं की तैयारी/संभावित तिथियों के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया गया। षष्ठ सेमेस्टर की परीक्षा 01 मई 2012 से परीक्षा आयोजित की जाये। शेष सेमेस्टर की परीक्षाएँ यथा-समय आयोजित की जायें।

क्रमशः 2

4. 30 जून 2012 तक प्रवेश कार्य संपन्न होने एवं स्नातक षष्ठ सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम 15 जून 2012 तक घोषित करने की तैयारी के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गयी और निर्णय लिया गया कि "प्रयास किये जावें, सभी मिलकर सहयोग प्रदान करेंगे।"

5. अग्रणी महाविद्यालय स्तर पर मूल्यांकन केन्द्र स्थापित करने की तैयारी के सम्बन्ध चर्चा की गयी और सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अग्रणी महाविद्यालय मूल्यांकन कार्य हेतु केन्द्र बनाये जायें। मूल्यांकन हेतु अग्रिम अग्रणी महाविद्यालयों को दिया जाये।

6. विश्वविद्यालय के आंचलित केन्द्र की स्थापना के सम्बन्ध में चर्चा की गयी और निर्णय लिया गया कि आंचलिक केन्द्र गुना में स्थापित किया जा चुका है और सुविधा की दृष्टि से श्योपुर में भी आंचलिक केन्द्र स्थापित किया जाना उचित होगा।

7. वार्षिक मुख्य परीक्षा (असंस्थागत) के सम्बन्ध में प्राचार्यों का मत है कि परीक्षाओं का भार पूर्व से ही महाविद्यालयों पर है, ऐसी परिस्थिति में वार्षिक मुख्य परीक्षा (असंस्थागत) सेमेस्टर पद्धति से न होकर वार्षिक पद्धति से दूरस्थ शिक्षण पद्धति के विद्यार्थियों की परीक्षा के साथ ही आयोजित हो। अन्यथा अध्यापन कार्य विपरीत रूप से प्रभावित होगा। साथ ही परीक्षाएँ दो शिफ्ट में कराई जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

8. प्राचार्यों द्वारा यह समस्या रखी गयी कि प्रायोगिक परीक्षा के लिये विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षक कई बार आने में असमर्थता व्यक्त करते हैं, ऐसी परिस्थिति में यदि विश्वविद्यालय बाह्य परीक्षकों का एक पैनल अग्रणी महाविद्यालयों को प्रदान करे ताकि बाह्य परीक्षक के मना करने पर पैनल में किसी एक शिक्षक से प्रायोगिक परीक्षा संपन्न करा ली जावे।

इस बैठक में अतिरिक्त संचालक (उच्च शिक्षा) ग्वालियर एवं चंबल संभाग मोतीमहल परिसर ग्वालियर, समस्त प्राचार्यगण (अग्रणी महाविद्यालय- ग्वालियर, मुरैना, भिण्ड, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, श्योपुर, दतिया) सम्मिलित हुये।

(आनंद मिश्र)